

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	माघ 09, बुधवार, शाके 1946- जनवरी 29, 2025 Magha 09, Wednesday, Saka 1946- January 29, 2025	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग (क)**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, नवम्बर 12, 2024**

**संख्या प. 2(65)वन/2024 :-** चुकिं निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चुकिं पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध ही किये गये हैं।

और चुकिं सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चुंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथ ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11(1) 12,13,14,17,18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया

जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न - प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,  
बीजो जॉय,  
विशिष्ट शासन सचिव, वन।

### प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			नाम ग्राम	विवरण		
				दिशा	भूमि	खसरा		खसरा नं	क्षेत्र बीघा बिस्वा	क्षेत्रफल है०
1	रक्षित वनखण्डसरोद A	पचप हाड	झाला वाड	उत्तर	सीमा ग्राम रतनपुरा	-	सरोद	130	29 बीघा 3 बिस्वा	7.3847
				दक्षिण	चारागाह भूमि	145		131	21 बीघा 16 बिस्वा	5.5132
				पूर्व	सीमा ग्राम रतनपुरा	-		132	16 बीघा	4.0590
				पश्चिम	वन भूमि सरोद मन्दिर के पास	138/1		138/2	49 बीघा	12.4047
								195	43 बीघा 02 बिस्वा	10.9126
								कुल	159-1	40.2742
22	रक्षित वनखण्डसरोद B	पचप हाड	झाला वाड	उत्तर	निजी खातेदारी	378		729	4 बीघा 15 बिस्वा	1.2013
				दक्षिण	निजी खातेदारी	728		730	02 बीघा	0.0253
				पूर्व	वन भूमि कालवा मोखमपुरा	462/2		734	39 बीघा 8 बिस्वा	9.9769
				पश्चिम	राज० सरकार	353				
								कुल	44-5	11.2035
कुल क्षेत्रफल वनखण्ड सरोद A+B									203-6	51.48

हस्ताक्षर

हेमराज सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
झालावाड़।

हस्ताक्षर

वी. केतन कुमार IFS,  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़।

## द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड सरोद A+B

## पेड़ों की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	<i>Azadirachta indica</i>	नीम
2	<i>Holoptelia integrifolia</i>	चुरेल
3	<i>Acacia leucophloea</i>	रौंझ
4	<i>Acacia catechu</i>	खैर
5	<i>Ziziphus muaritiana</i>	बोर
6	<i>Anogeissus pendula</i>	धोंक
7	<i>Diospyros meanoxylon</i>	तेन्दु
8	<i>Acacia nilotica</i>	देशी बबूल
9	<i>Prosopis cineraria</i>	खेजड़ा

## हस्ताक्षर

हेमराज सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
झालावाड़।

## हस्ताक्षर

वी. केतन कुमार IFS,  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़।

परिशिष्ट “क”

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र  
(जो लागू नहीं होता उसे काट दे)

जिला :- झालावाड़  
रेंज :- झालावाड़  
ग्राम :- सरोद  
मण्डल :- झालावाड़.  
रक्षित वनखण्ड :- सरोद A+B

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण राजस्व रिकॉर्ड में वन विभाग के नाम दर्ज है। जिसे विज्ञप्ति में विस्तृत रूप में खसरा नम्बर का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में महकमा जंगलात के नाम दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराना है। इसमें कोई अतिक्रमण अथवा अवैध खनन कार्य नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 है। तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है।
4. समीपवर्ति स्थित क्षेत्र राजस्व सीमा एवं वन भूमि है। तथा चारों ओर की सीमाओं का उल्लेख विज्ञप्ति में कर दिया है।

5. वनखण्डों का वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है। एवं विज्ञप्ति में दिखाई सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी.टी. शीट पर चिह्नित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
6. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
7. राजस्व अभिलेखों में अमल दरामद वन विभाग के नाम हो रहा है।
8. उपरोक्त वनखण्ड अन्तर्गत राजगढ़ मध्यम सिंचाई परियोजना के बदलें आई राजस्व भूमि है जिसका अमल दरामद वन विभाग के नाम हो चुका है।
9. वनखण्ड के मध्य खसरा न० 193, 194, 128, 129 काश्त भूमि है, वनभूमि नहीं है तथा इन पर वन विभाग का कोई अधिकार नहीं है।
10. आज दिनांक 31.08.2023 तक इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है। एवं न ही प्रकाशन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं।

**हस्ताक्षर**

हेमराज सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
झालावाड़।

**हस्ताक्षर**

वी. केतन कुमार IFS,  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़।

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।